

किचन गार्डन में उगाई गडेरी

संवाद सूत्र, गरुड़ : शिक्षा विभाग द्वारा स्कूलों में किचन गार्डन को बढ़ावा देने के प्रयास रंग लाने लगे हैं। विभिन्न स्कूलों में किचन गार्डन में उगाई गई ताजी सब्जियों का मध्याह्न भोजन के साथ उपयोग होने लगा है। ऐसा ही एक सुन्दर प्रयास किया है गरुड़ विकासखंड के सुदूरवर्ती स्कूल राजकीय जूनियर हाईस्कूल रौल्याना के शिक्षकों और बच्चों ने।

इस विद्यालय में उन सब्जियों को उगाया जा रहा है जिन्हें बंदर नुकसान नहीं पहुंचाते। इस विद्यालय के प्रधानाध्यापक नीरज पंत बताते हैं कि स्कूल के सेवित क्षेत्र में बंदरों का बड़ा आतंक है। लौकी, कद्दू और खीरे को बंदर नुकसान पहुंचाते हैं। इस नुकसान से बचने के लिए शिक्षकों और बच्चों ने गडेरी, पिनालू, अदरख, मेथी और हरी सब्जियां किचन गार्डन में उगानी शुरू की। बन्दर इन सब्जियों को नुकसान नहीं पहुंचाते और एमडीएम में भी ताजी सब्जियों का उपयोग होने लगा है। बच्चों को शिक्षकों की मेहनत ने रंग लाई और इस समय बड़ी मात्रा में गडेरी का उत्पादन हुआ है। बच्चे और शिक्षक गडेरी का उत्पादन देख कर खुशी से झूम उठे। उन्होंने कहा कि बच्चों को इससे ताजी और हरि सब्जियां खाने को मिल रही है।



गरुड़ के राजूहा रौल्याणा में किचन गार्डन की गडेरी के साथ बच्चे • जागरण

बच्चों में स्वावलम्बन का भाव भी ऐसे क्रियाकलापों से जागता है। शनिवार को बाल सभा में किचन गार्डन की गतिविधियां शिक्षक दीपक पाण्डे, भाष्कर पंत और सोनू गोस्वामी के निर्देशन में संपन्न की जाती हैं।